भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3157
दिनांक 06 अगस्त, 2026

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण इंजन के पुर्जों के खराब होने के बारे में शिकायतें

3157. **श्री बाबू सिंह कुशवाहाः**

श्री देवेश शाक्यः

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जौनपुर सहित देश में बीस प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग के बाद बीएस-चार और बीएस-छह वाहनों के इंजन पुर्जों जैसे रबड़ पाइप, सील और पिस्टन को नुकसान पहुंचने और औसत माइलेज में गिरावट के संबंध में कोई आधिकारिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) जनवरी, 2024 से मई, 2026 तक विभिन्न ऑटोमोबाइल कंपनियों के प्राधिकृत सेवा केन्द्रों में इंजन की क्षति, कम माइलेज और एथेनॉल मिश्रित ईंधन से उत्पन्न अन्य समस्याओं के कारण दर्ज किए गए मामलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वाहन विनिर्माताओं ने एथेनॉल मिश्रित ईंधन के प्रभाव और इसके कारण होने वाली वित्तीय क्षति के संबंध में सरकार को कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार पंद्रह प्रतिशत आइसोबुटेनॉल सम्मिश्रण सहित डीजल के साथ आइसोबुटेनॉल या अन्य जैव ईंधन के मिश्रण के लिए किसी नई नीति या अनिवार्य मानकों पर विचार कर रही है और यदि हां, तो विशेष रूप से भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए इंजन सुरक्षा, वारंटी सुरक्षा और तकनीकी अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित तकनीकी और नीतिगत सुरक्षा उपायों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार उपभोक्ताओं को जैव ईंधन मिश्रण के संबंध में वाहनों की अनुकूलता और रख-रखाव के संबंध में जानकारी प्रदान करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ग): इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को एक चरणबद्ध, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और विचार-विमर्श वाली प्रक्रिया के माध्यम से कार्यान्वित किया गया है जिसमे नीति आयोग, ऑटोमोबाइल

निर्माता कंपनियाँ, तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसीज), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) और दूसरे तकनीकी संस्थान शामिल हैं।

इथेनॉल कोई नया ईंधन नहीं है। इसका उपयोग दुनिया भर में एक सदी से ज़्यादा समय से हो रहा है जिसमे ब्राज़ील जैसे दशकों से 27% मिश्रण (ई27) बेस फ़्यूल के साथ 48% के उच्चतर इथेनॉल मिश्रण का उपयोग कर रहे देश शामिल है। भारत में, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम की शुरुआत 2001 में एक पायलट परियोजना के साथ हुई थी, 2006 में ई5 पेश किया गया था और हालाँकि 2013-14 में मिश्रण लगभग 1.53% था, लेकिन आवश्यक उत्पादन क्षमता, अवसंरचना और विनियामक अवसंरचना बनाने के बाद इसे धीरे-धीरे और सही तरीके से बढ़ाया गया है।

ऑटोमोबाइल निर्माताओं, सियाम, एआरएआई, अवयव निर्माताओं, परीक्षण एजेंसियों और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) के साथ व्यापक परामर्श के बाद ही उच्च इथेनॉल मिश्रणों का रोलआउट किया गया था। सरकार को ईंधन दक्षता, इंजन प्रदर्शन, रखरखाव लागत और समग्र ड्राइविंग अनुभव के संबंध में ई20 पेट्रोल के उपयोग के बारे में वाहन निर्माताओं, ऑटोमोबाइल संघों या उपभोक्ता संगठनों से कोई व्यापक या प्रमाणित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि, सरकार ने मीडिया और सोशल मीडिया में उठाई गई कुछ चिंताओं पर ध्यान दिया है, जिनकी वैज्ञानिक रूप से जांच की गई है।

एआरएआई, एसआईएएम, आईओसीएल, आईआईपी और वाहन निर्माताओं द्वारा किए गए व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों और क्षेत्र परीक्षणों से यह पुष्टि हुई है कि ई20 निर्धारित मानकों के तहत उपयोग के लिए सुरक्षित है जिसमें इंजन का टिकाऊपन, चलाने में आसानी, स्टार्ट होने की क्षमता, जंग-रोधी क्षमता, सामग्री की अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन की दक्षता जैसे पहलुओं की जाँच की गई।

इन अध्ययनों से यह भी प्रमाणित हुआ है कि पुराने वाहनों के कार्य-निष्पादन में कोई विशिष्ट बदलाव नहीं आया और न ही ई20 के कारण उनमें कोई असामान्य टूट-फूट हुई। इन व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों, क्षेत्र सत्यापनों और वास्तविक दुनिया में उपयोग के अनुभव से यह प्रमाणित नहीं हुआ है कि ई20 ईंधन के कारण वाहनों के कार्य-निष्पादन पर कोई व्यापक बुरा प्रभाव पड़ा है।

सरकार का आकलन न केवल प्रयोगशाला में हुए अनुसंधान पर बल्कि पूरे देश में इसे लागू करने के पश्चात वृहद अनुभव पर भी आधारित है। भारत में प्रत्येक दिन लगभग 8 करोड़ वाहन (इनमें से लगभग 80% पेट्रोल वाहन होते हैं) खुदरा बिक्री केंद्र पर आते हैं ।

इस तथ्य से यह पुष्टि हुई है कि ई15+ मिश्रित पेट्रोल का उपयोग साढ़े तीन वर्षों से अधिक से और ई19-ई20 इंधन का उपयोग ढाई वर्षों से अधिक से हो रहा है। 20 करोड़ से अधिक दुपहिया और 3 करोड़ से अधिक पेट्रोल कारें इन मिश्रणों के साथ चल रही हैं जिनमें इथेनॉल मिश्रण के कारण इंजन खराब होने या

गाड़ी के खराब होने का कोई भी सत्यापित प्रमाण नहीं मिला है। विनिर्माता के सर्विस संबंधी आँकड़ों से पुष्टि होती है कि ई20 इंधन के कारण गाड़ियों में कोई असामान्य जंग, घिसाव या गाड़ी की उम्र कम होने जैसी समस्या नहीं होती है। विनिर्माता ई20 इंधन का उपयोग करने वाली गाड़ियों के लिए गारंटी की शर्तें पूरी करते रहते हैं, जिससे इसके सुरक्षित और भरोसेमंद होने पर और भरोसा बढ़ता है।

एक अग्रणी ओईएम ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 2.84 करोड़ वाहनों की सर्विसिंग की, जिसमें लगभग 1.5 करोड़ वाहन शामिल हैं जो मूल रूप से ई20-संगत के रूप में प्रमाणित नहीं थे और कोई भी ई20-लिंक्ड संक्षारण, प्रतिकूल घिसाव या कॉमपोनेन्ट उपयोग काल में कमी की सूचना नहीं प्राप्त हुई थी। एक अग्रणी 2-पहिया कंपनी ने इसी तरह के क्षेत्र अनुभव की सूचना दी है। हाल ही में एक ओईएम ने बताया कि विस्तारित अवधि में भी ट्रैक करने पर 1.4 करोड़ ई20-प्रचालित वाहनों के डेटा ने इथेनॉल-प्रेरित संक्षारण का कोई प्रमाण नहीं प्रस्तुत किया। एआरएआई ने फिर से पुष्टि की कि वाहन उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले कड़े अंतरराष्ट्रीय-मानक सत्यापन से होकर गुजरते हैं।

साथ ही, ई20 उच्च ऑक्टेन, बेहतर एंटी-नॉक प्रदर्शन, बेहतर दहन विशेषताओं, निर्बाध त्वरण और कम उत्सर्जन, स्वच्छ और अधिक कुशल इंजन संचालन उत्सर्जन में योगदान प्रदान करता है ईंधन प्रणालियों और सामग्री संगतता ने पुष्टि की है कि ई20 ईंधन असामान्य टूट-फूट या संगतता समस्याओं का कारण नहीं बनता है।

(घ) अब तक 15 प्रतिशत आइसोबुटानॉल मिश्रण सहित डीजल के साथ आइसोबुटानॉल या अन्य जैव ईंधनों के मिश्रण के लिए किसी नई नीति या अनिवार्य मानकों के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हालांकि, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने डीज़ल के साथ आइसो-ब्यूटेनॉल की मिश्रण पर एक शुरुआती अध्ययन किया है, लेकिन डीज़ल के साथ आइसो-ब्यूटेनॉल की मिश्रण पर अभी तक कोई फ़ैसला नहीं लिया गया है।

(ङ) ई20 ईंधन की तकनीकी अनुकूलता के बारे में उपभोक्ताओं को शिक्षित करने के लिए नियमित रूप से जन जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, जिसमें यह बताया जाता है कि यह बिना किसी कार्य-निष्पादन या वारंटी संबंधी समस्या के सभी पेट्रोल वाहनों के साथ संगत है, और साथ ही इथेनॉल मिश्रण के पर्यावरणीय और ऊर्जा सुरक्षा लाभों के बारे में भी बताया जाता है।शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से प्राप्त उपभोक्ता फीडबैक की ओएमसीज द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाती है और एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को आगे बढ़ाते समय उपभोक्ता विश्वास सुनिश्चित करने के लिए जहां कहीं आवश्यक होता है, वहां उचित सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं।

*****